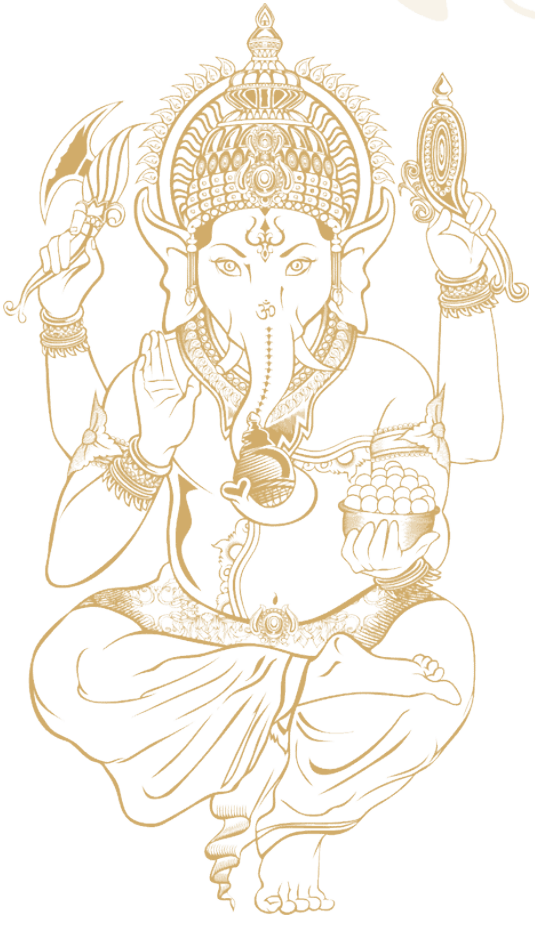

Nand ji

15 Apr 1989

03:25 PM

Madhubani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121170003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/1989**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:25:00 घंटे**
इष्ट	24:56:08 घटी
स्थान	**Madhubani**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	85:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:35:32 घंटे
वेलान्तर	-00:00:05 घंटे
साम्पातिक काल	05:09:41 घंटे
सूर्योदय	05:26:32 घंटे
सूर्यास्त	18:13:01 घंटे
दिनमान	12:46:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:42:01 मेष
लग्न के अंश	25:01:35 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:01:35	322:36:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मेष	01:42:01	00:58:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	29:26:21	12:01:05	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	स्वराशि
मंगल			वृष	27:46:59	00:37:01	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध			मेष	13:26:05	01:59:09	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृष	12:33:03	00:12:12	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मेष	04:23:08	01:14:15	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
शनि			धनु	20:10:17	00:00:45	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु			कुंभ	10:01:31	00:00:59	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			सिंह	10:01:31	00:00:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	11:36:32	00:00:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:40:28	00:00:03	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	20:36:34	00:01:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	24:43:18	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:34

लग्न-चलित

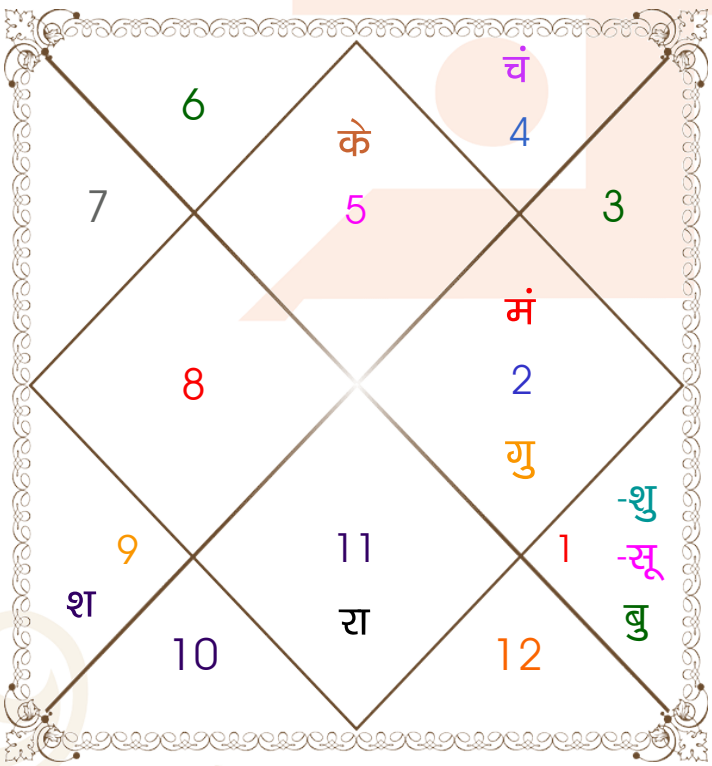

चन्द्र कुंडली

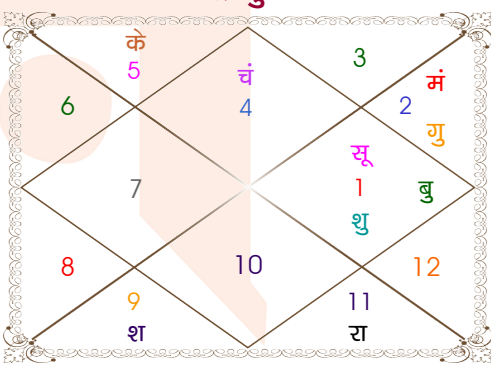

नवमांश कुंडली

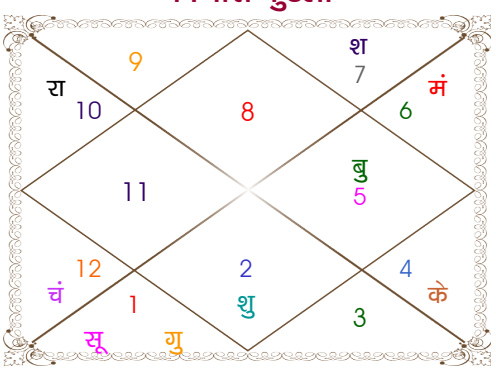

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 8 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/04/1989		01/01/1990		01/01/1997		01/01/2017		02/01/2023	
01/01/1990		01/01/1997		01/01/2017		02/01/2023		01/01/2033	
	00/00/0000	केतु	30/05/1990	शुक्र	03/05/2000	सूर्य	21/04/2017	चंद्र	02/11/2023
	00/00/0000	शुक्र	31/07/1991	सूर्य	03/05/2001	चंद्र	20/10/2017	मंगल	02/06/2024
	00/00/0000	सूर्य	05/12/1991	चंद्र	02/01/2003	मंगल	25/02/2018	राहु	02/12/2025
	00/00/0000	चंद्र	05/07/1992	मंगल	03/03/2004	राहु	20/01/2019	गुरु	03/04/2027
	00/00/0000	मंगल	02/12/1992	राहु	03/03/2007	गुरु	08/11/2019	शनि	01/11/2028
	00/00/0000	राहु	20/12/1993	गुरु	01/11/2009	शनि	20/10/2020	बुध	03/04/2030
	00/00/0000	गुरु	26/11/1994	शनि	01/01/2013	बुध	26/08/2021	केतु	02/11/2030
	15/04/1989	शनि	05/01/1996	बुध	02/11/2015	केतु	01/01/2022	शुक्र	02/07/2032
शनि	01/01/1990	बुध	01/01/1997	केतु	01/01/2017	शुक्र	02/01/2023	सूर्य	01/01/2033

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/01/2033		02/01/2040		01/01/2058		01/01/2074		01/01/2093	
02/01/2040		01/01/2058		01/01/2074		01/01/2093		16/04/2109	
मंगल	30/05/2033	राहु	14/09/2042	गुरु	19/02/2060	शनि	04/01/2077	बुध	31/05/2095
राहु	18/06/2034	गुरु	07/02/2045	शनि	02/09/2062	बुध	14/09/2079	केतु	27/05/2096
गुरु	25/05/2035	शनि	15/12/2047	बुध	08/12/2064	केतु	23/10/2080	शुक्र	28/03/2099
शनि	02/07/2036	बुध	03/07/2050	केतु	14/11/2065	शुक्र	24/12/2083	सूर्य	01/02/2100
बुध	30/06/2037	केतु	21/07/2051	शुक्र	15/07/2068	सूर्य	05/12/2084	चंद्र	04/07/2101
केतु	26/11/2037	शुक्र	21/07/2054	सूर्य	03/05/2069	चंद्र	06/07/2086	मंगल	01/07/2102
शुक्र	26/01/2039	सूर्य	15/06/2055	चंद्र	02/09/2070	मंगल	15/08/2087	राहु	17/01/2105
सूर्य	03/06/2039	चंद्र	14/12/2056	मंगल	09/08/2071	राहु	21/06/2090	गुरु	25/04/2107
चंद्र	02/01/2040	मंगल	01/01/2058	राहु	01/01/2074	गुरु	01/01/2093	शनि	16/04/2109

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।